गुजरात में विद्युत की खपत

676. **श्री चीमनभाई हरीभाई शुक्ला:** क्या प्रधानमंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) अन्य राज्यों की तुलना में गुजरात में प्रतिव्यक्ति प्रतिदिन, प्रतिमाह और प्रतिवर्ष विद्युत की खपत कितनी है;

(ख) इस खपत की तुलना में राष्ट्रीय औसत आंकड़े क्या है, क्या यह खपत राष्ट्रीय खपत से अधिक है या कम है;

(ग) क्या राज्य में आवश्यकताओं के अनुरूप विद्युत का उत्पादन नहीं हो रहा है; और

(घ) यदि हां, तो स्थिति में सुधार लाने के लिए क्या कदम उठाये जा रहे हैं?

विद्युत मंत्रालय में राज्य मंत्री (डा० एस० वेणुगोपालाचारी): (क) वर्ष 1994-95 के दौरान गुजरात और अन्य राज्यों में ऊर्जा की प्रति व्यक्ति वार्षिक खपत विवरण में दी गई है **(नीचे देखिये)**

(ख) वर्ष 1994-95 के दौरान राष्ट्रीय प्रति व्यक्ति खपत 320.10 कि०वा० घं० थी और गुजरात में 608.43 कि०वा०घं० जो राष्ट्रीय औसत की तुलना में अधिक है।

(ग) अप्रैल-जनवरी, 97 के दौरान गुजरात में ऊर्जा की आवश्यकता 31460 मि०यू० थी जिसकी तुलना में उपलब्धता 28922 मि०यू० थी जो 8.1% की कमी का द्योतक है।

(घ) गुजरात में विद्युत की उपलब्धता सुधारने के लिए किए जा रहे विभिन्न उपायों में नई विद्युत उत्पादन क्षमता को चालू करने में शीघ्रता लाना, विद्यमान विद्युत क्षमता से उत्पादन अधिकतम करना, नवीकरण एवं आधुनिकीकरण कार्यक्रम को क्रियान्वित करना, पारेषण एवं वितरण हानियों में कमी करना, प्रभावी भार प्रबंधन एवं ऊर्जा संवर्धन उपाय करना, पड़ोसी राज्यों/प्रणाली से बिजली की व्यवस्था करना और विद्युत उत्पादन में निजी क्षेत्र की भागेदारी को प्रोत्साहन प्रदान करना आदि शामिल है।

विवरण

गुजरात में वर्ष 1994-95 के दौरान प्रति व्यक्ति विद्युत की वार्षिक खपत (यूटिलिटियां और गैर यूटिलिटियां)

क्षेत्र	राज्य/संघ शासित राज्य का नाम	वर्ष 1994-95 कि०वा०घं०
उत्तर पूर्वी क्षेत्र	असम	97.65
	मणिपुर	107.41
	मेघालय	139.59
	नागालैंड	58.98
	त्रिपुरा	66.28
	अरुणाचल प्रदेश	65.76
	मिजोरम	111.74
	उप-जोड़	95.74
	जोड़ (अखिल भारत)	320.10
	उप-जोड़	302.22
पश्चिमी क्षेत्र	गुजरात	608.43
	मध्यप्रदेश	335.01
	महाराष्ट्र	500.30
	गोवा	601.82
	दमन और द्वीव	1547.73
	दादर और नगर हवेली	1574.40
	उप-जोड़	467.71
दक्षिणी क्षेत्र	आंध्र प्रदेश	373.55
	कर्नाटक	363.92
	केरल	236.54
	तमिलनाडु	429.97
	पांडिचेरी	968.85
	लक्षद्वीप	185.00
	उप-जोड़	369.32

पूर्वी क्षेत्र	बिहार	133.74
	उड़ीसा	332.64
	पश्चिम बंगाल	175.16
	अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	178.09
	सिक्किम	143.06
	उप-जोड़	182.35
उत्तरी क्षेत्र	हरियाणा	466.78
	हिमाचल प्रदेश	253.55
	जम्मू और कश्मीर	196.32
	पंजाब	759.37
	राजस्थान	269.53
	उत्तर प्रदेश	204.07
	चण्डीगढ़	676.22
	दिल्ली	747.48

Impact of Power Cuts

677. SHRI PARMESHWAR KUMAR AGARWALLA: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether there have been substantial power cuts in major cities of the country, including Delhi;

(b) if so, what are the reasons and what steps are being taken/proposed to be taken to overcome the cuts;

(c) whether any study and/or an estimate has been made to assess the impact of such power cuts on the plant and equipments, production, increased consumption of petroleum products in generators, etc.; and on noise pollution;

(d) if so, what are the estimates/ results; and

(e) if not, whether Government would consider to initiate such a study/ estimate?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF POWER (DR. S. VENUGOPALACHARI): (a) State-wise/UTs power cuts/restrictions imposed on various categories of consumers is given in the enclosed statement (*see* below).

(b) The reasons for the power shortage, *inter-alia*, are as under:

(i) Growing gap between demand and supply of power;

(ii) Decline in Hydel Power generation; and

(iii) Disruption in gas supply on the HBJ pipeline which was partially shut-down from 1.1.1997 to 23.1.1997 thereby affecting power generation by Gas based power plants.

The measures being taken to maintain balance between demand and supply include the following:

(i) Increase in generation from existent plants by improvement of Plant Load Factor (PLF);

(ii) Capacity addition;

(iii) Renovation and modernisation of existing plants;

(iv) Demand side management measures;

(v) Reduction of Transmission & Distribution losses; and

(vi) Inter-State/Inter-Regional transfer of power.

(c) to (e) Information is being collected and will be laid on the Table of the House.